तापमान

अधिकतम 31.5 डिग्री

न्यूनतम 16.8 डिग्री

हरिभूमि

बेमेतरा भूमि

रायपुर, शनिवार 6 जून 2026

बेमेतरा | देवकर | नवागढ़ | साजा | परपोड़ी | थानखम्हरिया | नांदघाट

11 सुशासन तिहार केवल आयोजन, धरातल पर बेबस ...

10 संग्रहण केंद्रों से धान के उठाव की डेडलाइन...

खबर संक्षेप

गार्डन के पास गांजा बेचते पकड़ा गया युवक

भिलाई। सुपेला पुलिस ने अवैध गांजा बिक्री करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 2 किलो 30 ग्राम गांजा बरामद किया गया है, जिसकी अनुमानित कीमत करीब एक लाख रुपए बताई गई है। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर न्यायालय में पेश किया गया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 4 जून को मुखबिर से सूचना मिली थी कि नेहरू नगर स्थित योगा गार्डन के पास एक युवक अवैध रूप से गांजा बेच रहा है। सूचना मिलते ही सुपेला पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर संदेही युवक को पकड़ लिया। तलाशी के दौरान आरोपी के पास रखी सफेद झिल्ली और पॉलीथीन से 2 किलो 30 ग्राम मादक पदार्थ गांजा बरामद हुआ।

नगदी और जेवर सहित दस्तावेज ले उड़े चोर

भिलाई। धमधा के वार्ड 15 स्थित पंडितवा तालाब के पास एक सूने मकान में चोरी की वारदात सामने आई है। अज्ञात चोरों ने मकान का ताला तोड़कर नगदी, सोने के जेवर और महत्वपूर्ण दस्तावेजों पर हाथ साफ कर दिया। मामले की शिकायत पर धमधा पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। धमधा निवासी शिक्षिका कल्याणी राजपूत ने पुलिस को बताया कि उन्होंने पंडितवा तालाब के पास नया मकान बनवाया है, जहां निर्माण कार्य चल रहा है। 28 मई को वह इलाज के लिए रायपुर अपने बेटे के पास गई थीं। घर में उनकी बेटी अकेली थी, जो 1 जून की रात करीब 10 बजे घर में ताला लगाकर परिचित के घर सोने चली गई। अगली सुबह 2 जून को करीब 8 बजे जब वह घर लौटी तो मकान का ताला टूटा हुआ मिला।

दुर्ग में मिले अफीम के पौधे व डोडा सहित 7.88 करोड़ के मादक पदार्थ को किया नष्ट

भिलाई। थाना पुलगांव में एनडीपीएस एक्ट के तहत जब्त लगभग 7.88 करोड़ रुपए मूल्य के मादक पदार्थों का नष्टीकरण किया। यह यह नष्टीकरण गुरुवार को उच्च स्तरीय ड्रग्स डिस्पोजल समिति की निगरानी में भिलाई इस्पात संयंत्र के एसएमएस-3 प्लांट में हुई। यह कार्रवाई दुर्ग रेंज के पुलिस महानिरीक्षक और ड्रग्स डिस्पोजल समिति के अध्यक्ष अभिषेक शांडिल्य के नेतृत्व में की गई। इस दौरान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक और उप पुलिस महानिरीक्षक दुर्ग विजय अग्रवाल तथा आबकारी उपायुक्त शशांक कुमार सहित समिति के सदस्य उपस्थित थे। छत्तीसगढ़ शासन, सामान्य प्रशासन विभाग और नारकोटिक्स सेल, पुलिस मुख्यालय रायपुर के निर्देशानुसार गठित रेंज स्तरीय ड्रग्स डिस्पोजल समिति ने थाना पुलगांव के जब्त मादक पदार्थों को नष्ट किया। यह मामला स्वापक औषधि एवं मनःप्रभावी पदार्थ अधिनियम 1985 की धारा 8 और 18 के तहत दर्ज किया गया था।

जनता की सेवा सर्वोच्च प्राथमिकता, हर समस्या का समाधान हमारी जिम्मेदारी : दीपेश साहू

समाधान शिविर में उमड़ा जनसैलाब, 2.57 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेरला/बेमेतरा

सुशासन तिहार के तहत नगर पंचायत बेरला में आयोजित समाधान शिविर जनविश्वास का बड़ा केंद्र बनकर उभरा। बड़ी संख्या में पहुंचे नागरिकों ने अपनी समस्याएं और मांगें प्रशासन के समक्ष रखीं, वहीं कई मामलों का मौके पर ही निराकरण होने से लोगों के चेहरे खिल उठे। शिविर में शासन की योजनाओं की जानकारी देने के साथ-साथ पात्र हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं का लाभ भी वितरित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बेमेतरा विधायक दीपेश साहू ने आमजन से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण के निर्देश दिए।

हितग्राहियों को मिला योजनाओं का लाभ

शिविर के दौरान प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत सम्मान पत्र, नोनी सुरक्षा योजना के अंतर्गत एलआईसी बीमा प्रमाण पत्र तथा सुकन्या समृद्धि योजना की पासबुक वितरित की गई। बच्चों को विद्यारंभ प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। शिक्षा विभाग ने कक्षा 10वीं और 12वीं के मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया। प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों को आवास पूर्णता प्रमाण पत्र एवं गृह प्रवेश के लिए नए घरों की चाबियां सौंपी गईं। कृषि विभाग ने किसान सम्मान निधि के लाभार्थियों और उत्कृष्ट कृषकों का सम्मान किया, जबकि खाद्य विभाग ने पात्र परिवारों को राशन कार्ड वितरित किए।

उन्होंने कहा कि सुशासन तिहार केवल शिकायत सुनने का कार्यक्रम नहीं, बल्कि सरकार और जनता के बीच विश्वास को मजबूत करने का माध्यम है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार गांव-गांव पहुंचकर लोगों की समस्याओं का समाधान कर रही है। विधायक साहू ने कहा कि सरकार की मंशा है कि कोई भी पात्र व्यक्ति योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे। गरीब, किसान, मजदूर, महिलाओं, युवाओं और वरिष्ठ नागरिकों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रशासन को विशेष रूप से निर्देशित किया गया है। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि होने के नाते जनता की सेवा उनकी पहली जिम्मेदारी है और क्षेत्र के विकास के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। ▶▶| शेष पेज 11 पर

खुलासा : छत पर खून से लथपथ मिली थी हरीचंद की लाश, अंधे कत्ल की गुत्थी 24 घंटे में सुलझी

घरेलू कलह से तंग आकर पत्नी ने सोते समय मुसर मारकर की थी पति की हत्या, गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| साजा/बेमेतरा

बेमेतरा जिले के साजा थाना क्षेत्र के ग्राम करमतरा में हुए एक सनसनीखेज अंधे कत्ल की गुत्थी को पुलिस ने महज कुछ घंटों में सुलझाते हुए मृतक की पत्नी को ही हत्या के आरोप में गिरफ्तार कर लिया है। प्रारंभिक तौर पर अज्ञात आरोपियों द्वारा हत्या की आशंका जताई जा रही थी, लेकिन पुलिस जांच में चौंकाने वाला खुलासा हुआ कि पति की हत्या उसकी पत्नी ने ही की थी।

पुलिस के अनुसार ग्राम करमतरा निवासी अमरिका दास कोठारी ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनका बड़ा पुत्र हरीचंद कोठारी घर की छत पर मृत अवस्था में मिला। मृतक के गले पर चोट के निशान थे तथा सिर के पीछे गंभीर चोट लगी हुई थी। मामले को गंभीरता से लेते हुए साजा थाना पुलिस ने हत्या का अपराध दर्ज कर जांच शुरू की।

जांच के दौरान पुलिस ने घटनास्थल, परिस्थितिजन्य साक्ष्यों और परिवार के सदस्यों से पूछताछ की। संदेह के आधार पर मृतक की पत्नी कैलाशी बाई कोठारी को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ में उसने हत्या करना स्वीकार कर लिया।

आरोपिया ने बताया कि पति हरीचंद कोठारी अक्सर उससे विवाद करता था और मारपीट भी करता था। आए दिन होने वाले झगड़ों और घरेलू तनाव से परेशान होकर उसने गुरुवार रात पति के सो जाने के बाद पहले उसका गला दबाया और फिर लोहे के मुसर (मूसल) से सिर व गर्दन के पास कई वार कर उसकी हत्या कर दी।

खून से सना लोहे का मुसर बरामद

पुलिस ने आरोपिया की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त लोहे का मुसर एवं अन्य साक्ष्य बरामद कर लिए हैं। गिरफ्तार आरोपिया कैलाशी बाई कोठारी (26 वर्ष) को न्यायिक रिमांड पर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। जिस घर की चौखट पर जीवनभर साथ निभाने की कसमें खाई गई थीं, वहीं घरेलू कलह ने रिश्ते को इतना विषाक्त बना दिया कि मामला हत्या तक पहुंच गया। यह घटना एक बार फिर बताती है कि पारिवारिक विवादों का समय रहते समाधान नहीं होने पर उसके परिणाम कितने भयावह हो सकते हैं।

जंगली सूअरों का आतंक, रातभर जागकर फसलों की रखवाली कर रहे किसान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नवागढ़

किसानों के लिए धान की बालियां खेत में सोने जैसी चमक लेकर आती हैं, लेकिन नवागढ़ क्षेत्र के कई गांवों में इन बालियों पर इन दिनों जंगली सूअरों की नजर पड़ गई है। हालत यह है कि गोपालभैना, टुरासेमरिया, नवागढ़, तोरा और रामपुर के किसान पिछले करीब दो माह से रातों की नींद गंवाकर अपनी फसलों की रखवाली कर रहे हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि जैसे ही धान में बालियां निकलनी शुरू हुईं, जंगली सूअरों के झुंड ने खेतों को अपना पसंदीदा ठिकाना बना लिया। किसानों के अनुसार सूअर फसल खाने से ज्यादा उसे रौंदकर नुकसान पहुंचा रहे हैं। रात के अंधेरे में झुंड के झुंड खेतों में घुसते हैं और ऐसे दौड़ लगाते हैं मानो किसी ग्रामीण मैराथन प्रतियोगिता में हिस्सा लेने आए हों। उनकी दौड़भाग से धान के खड़े पौधे जमीन पर बिछ जाते हैं। इन दिनों खेतों में नमी और गीलापन अधिक होने के कारण गिरे हुए पौधे दोबारा खड़े नहीं हो पा रहे, जिससे किसानों

को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है।

2 माह से जारी है आतंक

ग्राम गोपालभैना के किसान रोशन धर दीवान बताते हैं कि करीब दो महीने से यह समस्या लगातार बनी हुई है। धान में बालियां आने के बाद सूअरों का खेतों में आना अचानक बढ़ गया है। कई किसानों के खेतों में फसल बुरी तरह प्रभावित हुई है। कृष्णा यादव कहते हैं कि रातभर टॉर्च लेकर पहरा देने के बावजूद सूअरों को रोक पाना मुश्किल हो गया है। कभी डिब्बे बजाए जाते हैं, कभी पटाखे फोड़े जाते हैं, लेकिन कुछ देर ▶▶| शेष पेज 11 पर

पदमी-टुरासेमरिया मार्ग पर मौत को दावत दे रहे झुके बिजली के पोल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेमेतरा

जिला मुख्यालय से महज 8 किलोमीटर दूर पदमी-घिवरी से टुरा सेमरिया मार्ग पर झुके हुए बिजली के पोल ग्रामीणों और राहगीरों के लिए गंभीर खतरा बन गए हैं। सड़क किनारे लगे कई विद्युत खंभे लंबे समय से एक ओर झुके हुए हैं, लेकिन जिम्मेदार विभाग की ओर से अब तक कोई सुधारात्मक कार्रवाई नहीं किए जाने से लोगों में नाराजगी बढ़ रही है। ग्रामीणों का कहना है कि विभाग की लापरवाही के चलते कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। जानकारी के अनुसार इस मार्ग से प्रतिदिन सैकड़ों ग्रामीण, किसान, स्कूली बच्चे और दोपहिया-चारपहिया वाहन चालक आवागमन करते हैं। कई स्थानों पर विद्युत पोल इस कदर झुक चुके हैं कि उन्हें देखकर ही दुर्घटना की आशंका महसूस होती है। इन खंभों पर हाई वोल्टेज बिजली तार भी लटके हुए हैं, जिससे खतरा और बढ़ गया है। ग्रामीणों का कहना है कि बरसात का मौसम शुरू होने वाला है। ऐसे में तेज हवा और बारिश के दौरान झुके हुए पोलों के गिरने की संभावना अधिक रहती है। यदि कोई पोल सड़क पर गिरता है तो न केवल यातायात बाधित होगा बल्कि राहगीरों की जान भी जोखिम में पड़ सकती है। इसके अलावा बिजली आपूर्ति ठप होने से आसपास के गांवों को भी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

शिकायतों के बाद भी नहीं हुई कार्रवाई

स्थानीय लोगों का आरोप है कि समस्या नई नहीं है। कई बार संबंधित अधिकारियों का ध्यान इस ओर आकर्षित कराया गया, लेकिन अब तक स्थिति जस की तस बनी हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि विभाग किसी बड़ी दुर्घटना का इंतजार कर रहा है। समय रहते आवश्यक मरम्मत और पोलों के प्रतिस्थापन का कार्य नहीं किया गया तो इसका खामियाजा आम लोगों को भुगतना पड़ सकता है। क्षेत्रवासियों ने जिला प्रशासन और विद्युत विभाग से मांग की है कि पदमी-टुरा सेमरिया मार्ग का तत्काल निरीक्षण कराया जाए तथा झुके और जर्जर हो चुके बिजली पोलों को बदलकर सुरक्षित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। लोगों का कहना है कि जनसुरक्षा से जुड़े इस गंभीर मामले में अब और देरी किसी बड़े हादसे को आमंत्रण देने के समान होगी।

मानसून से पहले स्वास्थ्य विभाग अलर्ट मोड पर, डायरिया-डेंगू पर रहेगी कड़ी नजर

दवाइयों और ओआरएस का पर्याप्त भंडारण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेमेतरा

मानसून की दस्तक से पहले जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह सतर्क हो गया है। बारिश के मौसम में फैलने वाले डायरिया, हैजा, टाइफाइड, मलेरिया और डेंगू जैसे जलजनित एवं वाहकजनित रोगों की रोकथाम के लिए जिलेभर में विशेष तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाईं के मार्गदर्शन और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अमृत लाल रोहलेडर के निर्देशन में सभी स्वास्थ्य संस्थाओं को आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

स्वास्थ्य विभाग ने संभावित स्वास्थ्य संकट से निपटने के लिए अस्पतालों और स्वास्थ्य केन्द्रों में आवश्यक दवाइयों, ओआरएस पैकेट, क्लोरीन टैबलेट और अन्य जीवनरक्षक सामग्रियों का पर्याप्त भंडारण कर लिया है। साथ ही सभी चिकित्सा संस्थानों को किसी भी आपात स्थिति के लिए तैयार रहने को कहा गया है। सीएमएचओ डॉ. रोहलेडर ने बताया कि मानसून के दौरान संक्रामक बीमारियों के प्रकोप की आशंका को देखते हुए रोग निगरानी प्रणाली को और अधिक सक्रिय किया गया है। किसी भी असामान्य बीमारी या संभावित महामारी की सूचना मिलते ही तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए जिला, विकासखंड और प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र स्तर पर रैपिड रिस्पांस टीम आरआरटी गठित की गई है। इन टीमों में चिकित्सकों, स्वास्थ्य अधिकारियों, ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजकों, सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों और मितानिन कार्यकर्ताओं को शामिल किया गया है।

■ रैपिड रिस्पांस टीम सक्रिय

पेयजल जनित बीमारियों की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य विभाग ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के साथ समन्वय स्थापित किया है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में जल स्रोतों के शुद्धिकरण, जल गुणवत्ता की नियमित जांच और सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

सावधानी ही बचाव : कलेक्टर

कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाईं ने नागरिकों से मानसून के दौरान स्वास्थ्य संबंधी सावधानियां बरतने की अपील की है। उन्होंने कहा कि केवल स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल का उपयोग करें, भोजन को ढंककर रखें, नियमित रूप से साबुन से हाथ धोएं तथा खुले में बिकने वाले खाद्य पदार्थों के सेवन से बचें। उन्होंने नागरिकों से बुखार, दस्त, उल्टी या अन्य स्वास्थ्य संबंधी लक्षण दिखाई देने पर तत्काल निकटतम स्वास्थ्य केन्द्र में संपर्क कर उपचार कराने का आग्रह किया। जिला प्रशासन का कहना है कि मानसून के दौरान जनस्वास्थ्य सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी संभावित स्वास्थ्य आपदा से निपटने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर ली गई हैं।

16 जून के बाद जिला व राज्य स्तरीय टीम करेगी निरीक्षण

स्कूल खुलने से पहले सभी तैयारियां पूरी करें: डीईओ चतुर्वेदी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेमेतरा

नए शिक्षा सत्र की शुरुआत से पहले जिले के सभी विद्यालयों में आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के लिए जिला शिक्षा अधिकारी जी.आर. चतुर्वेदी ने शुक्रवार को जिले के समस्त आहरण एवं संवितरण अधिकारियों (डीडीओ) की महत्वपूर्ण बैठक ली। जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित बैठक में उन्होंने स्पष्ट कहा कि 16 जून से पहले सभी अभिलेखों का संधारण, विद्यालयों की साफ-सफाई, पेयजल, बिजली, फर्नीचर, शौचालय तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था पूरी कर ली जाए, क्योंकि स्कूल खुलने के बाद जिला एवं राज्य स्तरीय टीमों द्वारा निरीक्षण किया जाएगा।

बैठक में डीईओ चतुर्वेदी ने सीसीएमएस एवं एचआरएमआईएस पोर्टल पर नियमित और समयबद्ध प्रविष्टियों के लिए प्रत्येक डीडीओ को जिम्मेदारी तय करने के निर्देश

दिए। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की सर्विस बुक अद्यतन रखने, आवश्यकतानुसार कोष एवं लेखा विभाग से सत्यापन कराने तथा रिक्त पदों की जानकारी निर्धारित प्रारूप में जिला कार्यालय को उपलब्ध कराने में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए।

उन्होंने निर्माणाधीन एवं स्वीकृत शैक्षणिक भवनों की प्रगति पर भी विशेष जोर दिया। सभी डीडीओ को निर्देशित किया गया कि वे अपने क्षेत्र के निर्माण कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करें तथा स्वीकृत राशि, कार्य की वर्तमान स्थिति और पूर्णता की संभावित तिथि की जानकारी अपने पास रखें। साथ ही पेयजल, शौचालय, किचन शेड सहित अन्य आधारभूत सुविधाओं की सतत निगरानी कर किसी भी कमी की सूचना तत्काल जिला कार्यालय को दें। बैठक में प्रवेश अभियान, अपार आईडी, जाति प्रमाण पत्र, साइकिल वितरण तथा पाठ्यपुस्तक वितरण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी विस्तार से चर्चा हुई। डीईओ ने बताया कि अपार आईडी निर्माण में जिला राज्य में प्रथम स्थान पर रहा है, जिसे बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है। जाति प्रमाण पत्र निर्माण के लिए प्रत्येक विद्यालय में एक शिक्षक को प्रभारी नियुक्त करने के निर्देश भी दिए गए।

जर्जर भवनों में कक्षाएं नहीं लगाने के निर्देश

डीईओ चतुर्वेदी ने स्पष्ट कहा कि जिले के किसी भी विद्यालय में जर्जर भवनों में कक्षाएं संचालित नहीं की जाएं। ऐसे भवनों की जानकारी तत्काल जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय को उपलब्ध कराई जाए। साथ ही फर्नीचर, आलमारी और अन्य संसाधनों की स्थिति की रिपोर्ट एक सप्ताह के भीतर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। **दिसंबर तक पूरा करना होगा पाठ्यक्रम:** बैठक में आगामी शैक्षणिक सत्र की शैक्षणिक तैयारियों की भी समीक्षा की गई। डीईओ ने सभी शिक्षकों तक यह संदेश पहुंचाने को कहा कि दिसंबर माह तक सभी विषयों का पाठ्यक्रम पूर्ण कराया जाए, ताकि विद्यार्थियों की बेहतर तैयारी सुनिश्चित हो सके। उन्होंने परीक्षा परिणामों में सतत सुधार के लिए सभी अधिकारियों और शिक्षकों से समर्पित प्रयास करने का आह्वान किया। बैठक में सहायक संचालक एस.पी. कोशले, एपीसी खेमराज साहू सहित जिले के सभी डीडीओ उपस्थित रहे।

गुधेली समिति में खुले आसमान के नीचे सड़ रहा तिरपाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेमेतरा/बेरला

सेवा सहकारी समिति मर्यादित गुधेली में धान खरीदी व्यवस्था से जुड़ी सामग्री के रखरखाव को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। समिति परिसर में धान उपार्जन के दौरान उपयोग होने वाले फड़ और तिरपाल खुले में बिखरे पड़े दिखाई देने से किसानों और ग्रामीणों ने नाराजगी जताई है। कई तिरपाल फटे हुए नजर आने से सरकारी संसाधनों के संरक्षण पर भी प्रश्नचिह्न लग रहे हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि धान खरीदी के दौरान किसानों की उपज को बारिश और नमी से बचाने के लिए शासन हर वर्ष तिरपालों की व्यवस्था पर बड़ी राशि खर्च करता है। ऐसे में खरीदी केंद्र परिसर में तिरपालों का अव्यवस्थित ढंग से पड़ा होना लापरवाही को दर्शाता है। किसानों का आरोप है कि यदि समय पर रखरखाव नहीं किया गया तो आगामी खरीदी सत्र में फिर

नए तिरपालों की खरीदी करनी पड़ेगी, जिससे शासन को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। स्थानीय किसानों ने कहा कि सरकारी संपत्तियों की सुरक्षा और संरक्षण की जिम्मेदारी समिति प्रबंधन की है। यदि सामग्री का सही रखरखाव नहीं होगा तो इसका खामियाजा अंततः किसानों और शासन दोनों को भुगतना पड़ेगा। किसानों ने मामले की जांच कर जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग की है।

प्रबंधक ने दी सफाई

मामले में समिति प्रबंधक भीमराव खोबरागड़े ने बताया कि परिसर में जो तिरपाल बिखरे हुए दिखाई दे रहे हैं, वे पुराने और फटे हुए हैं। उपयोग योग्य तिरपालों को अलग से व्यवस्थित और सुरक्षित रखा गया है। हालांकि किसानों का कहना है कि खरीदी केंद्र में सामग्री का बेहतर प्रबंधन होना चाहिए, ताकि सरकारी संसाधनों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके और भविष्य में अनावश्यक खर्च से बचा जा सके। अब निगाहें प्रशासन की कार्रवाई पर टिकी हैं।

संग्रहण केंद्रों से धान के उठाव की डेडलाइन 15 जून, इसके बाद होगी कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

कलेक्टर अभिजीत सिंह ने सभागार में कृषि, सहकारिता, मार्कफेड, नान, खाद्य एवं सीसीबी के अधिकारियों की बैठक लेकर जिले में खाद एवं बीज उपलब्धता की समीक्षा की। अधिकारियों ने बताया कि जिले में खाद एवं बीज की उपलब्धता पर्याप्त है। एग्रीस्टेक पोर्टल में पंजीकृत किसान खाद व बीज का अग्रीम उठाव कर रहे हैं। जिले की समितियों में खाद बीज भंडारण एवं वितरण की मॉनिटरिंग की जा रही है। कलेक्टर ने कहा कि समितियों में किसानों को खाद का वितरण समय पर हो यह सुनिश्चित किया जाए। किसानों को उपलब्ध कराए गए खाद के अलावा आवश्यकता के मुताबिक वैकल्पिक खाद नैनो युरिया एवं नैनो डीएपी के उपयोग हेतु कृषकों को प्रेरित किया जाए। नील हरित काई एवं हरित खाद ढेंचा के संबंध में भी किसानों को अवगत कराया जाए। अधिकारियों ने बताया कि जिले में खरीफ 2026 हेतु कुल 67880 मीट्रिक टन उर्वरक वितरण का लक्ष्य रखा गया है। वर्तमान में सहकारी एवं निजी क्षेत्र को मिलाकर जिले में 15910 मीट्रिक टन यूरिया, 2643 मीट्रिक टन डीएपी, 2919 मीट्रिक टन एनपीके, 4544 मीट्रिक टन एमओपी तथा 6956 मीट्रिक टन सिंगल सुपर फॉस्फेट कुल 32970 मीट्रिक टन उर्वरक भंडारण किया गया है। सेवा सहकारी समितियों एवं निजी विक्रेताओं के माध्यम से किसानों को लगातार उर्वरकों का वितरण किया जा रहा है। अब तक 6054 मीट्रिक टन यूरिया, 2195 मीट्रिक टन डीएपी, 2042 मीट्रिक टन एनपीके, 2016 मीट्रिक टन एमओपी तथा 3575 मीट्रिक टन सिंगल सुपर फॉस्फेट कुल 15882 मि.टन उर्वरक का वितरण किया जा चुका है तथा वर्तमान में जिले में 9856 मीट्रिक टन यूरिया, 447 मीट्रिक टन डीएपी, 877 मीट्रिक टन एनपीके, 2528 मीट्रिक टन एमओपी तथा 3381 मीट्रिक टन सिंगल सुपर फॉस्फेट कुल 17089 मि.टन उर्वरक शेष है। जिले में उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता है।

कलेक्टर अभिजीत सिंह ने खाद वितरण और उपलब्धता को लेकर भी की समीक्षा

29827 क्विंटल प्रमाणित बीज वितरण का लक्ष्य

अधिकारियों ने बताया कि जिले की सहकारी समितियों में धान एंव अन्य खरीफ फसलों के प्रमाणित बीजों का उठाव और वितरण सुचारू रूप से जारी है। वर्तमान में जिले को सहकारी क्षेत्र के लिए 29827 क्विं. प्रमाणित बीज वितरण का लक्ष्य है। जिसके विरुद्ध 31134 क्विं. बीज की उपलब्धता है और समितियों में 17013.40 क्विं. बीज का भण्डारित किया गया है जिसमें से 11066.40 क्विं. बीज वितरण किया जा चुका है। विभाग द्वारा नकली एंव घटिया खाद-बीज की बिक्री को रोकने के लिये उड़नदस्ता टीम का गठन किया गया है जो निजी विक्रेताओं और समितियों की निरंतर जांच कर रही है।

रिक्त राशन दुकानों का नए सिरे से होगा आवंटन

कलेक्टर ने धान उर्पाजन एवं संग्रहण केन्द्रों से धान के उठाव की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को 15 जून से पहले संपूर्ण धान का उठाव सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी खरीदी केन्द्र में भौतिक रूप से धान नहीं रहना चाहिए। कलेक्टर ने अनियमितता के कारण निरस्त शासकीय उचित मूल्य दुकानों की जानकारी लेते हुए सभी एसडीएम को संबंधित क्षेत्र के रिक्त शासकीय उचित मूल्य दुकानों के नवीन आबंटन हेतु विज्ञापन जारी करते हुए नियमानुसार कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में एडीएम वीरेन्द्र सिंह, एसडीएम हरवंश सिंह मिरी, एसडीएम पाटन लवकेश ध्रुव, एसडीएम धमधा सोनल डेविड, एसडीएम भिलाई-तीन महेश राजपूत, एसडीएम दुर्ग उत्तम ध्रुव, खाद्य नियंत्रक अनुराग भदोरिया सहित अन्य मौजूद थे।

खबर संक्षेप

तत्काल हो होटल, हॉस्टल और अस्पतालों में फायर सेफ्टी की जांच

भिलाई। दिल्ली में हाल ही में हुए दर्दनाक अग्निकांड ने पूरे देश को झकझोर दिया है। भाजपा झुग्गी-झोपड़ी प्रकोष्ठ की प्रदेश संवाद प्रमुख शारदा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली की घटना से सबक लेते हुए

छत्तीसगढ़ के सभी होटल, हॉस्टल, अस्पताल और नर्सिंग होम में व्यापक फायर सेफ्टी जांच तत्काल कराई जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि मानव जीवन की सुरक्षा सर्वोपरि है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जानी चाहिए। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि राज्य के सभी संस्थानों में फायर एनओसी की वैधता की गहन जांच की जाए। साथ ही यह सुनिश्चित किया जाए कि प्रत्येक भवन में आपातकालीन निकास, अग्निशमन यंत्र, फायर अलार्म एवं स्प्रिंकलर सिस्टम सही स्थिति में उपलब्ध हों। मांग करने वाले में रवि सिंग, विनोद उपाध्याय, कन्हैया सोनी, निशुपांडे, डॉ. रमेश श्रीवास्तव, बृजमोहन उपाध्याय, अनिल सिंह आदि शामिल हैं।

अवैध शराब कारोबार पर पुलिस का शिकंजा

भिलाई। खुर्सीपार पुलिस ने अवैध रूप से शराब बेच रहे एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 62 पौवा देशी मदिरा जब्त की है। मामले में आबकारी एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर आरोपी को जेल भेज दिया गया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान बिरजू मांझी (20 वर्ष) निवासी करुणा अस्पताल के पास, नंदिनी रोड, छावनी भिलाई के रूप में हुई है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 4 जून को मुखबिर से सूचना मिली थी कि खुर्सीपार क्षेत्र के देवार बस्ती मछली मार्केट और देवार पारा स्थित खंडहर मकान के पास अवैध रूप से शराब की बिक्री की जा रही है। सूचना पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की। कार्रवाई के दौरान एक आरोपी को रंगे हाथ शराब बेचते हुए पकड़ लिया गया, जबकि दूसरा आरोपी मौके से फरार हो गया। गिरफ्तार आरोपी के कब्जे से 32 पौवा देशी मदिरा बरामद हुई। वहीं फरार आरोपी द्वारा बिक्री के लिए रखी गई 30 पौवा देशी मदिरा भी पुलिस ने जब्त कर ली। इस तरह कुल 62 पौवा देशी शराब जब्त की गई, जिसकी अनुमानित कीमत 7,260 रुपए बताई गई है। आरोपी के खिलाफ थाना खुर्सीपार में धारा 34(2) आबकारी अधिनियम के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया।

बीएसपी कर्मियों सहित आम मरीजों का होगा गुणवत्तायुक्त इलाज

सेक्टर 9 अस्पताल को एम्स के अधीन बनाएं सुपरस्पेशियलिटी हास्पिटल-मेडिकल कॉलेज

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

भिलाई इस्पात संयंत्र के सेक्टर 9 हास्पिटल के निजीकरण की प्रक्रिया के बीच अब इसे एम्स अस्पताल रायपुर के तहत सुपर स्पेशियलिटीअस्पताल कम मेडिकल कालेज के रुप में विकसित किए जाने की मांग की जा रही है। सेवानिवृत्त डाक्टरों और सामाजिक संगठनों के इस बड़े अस्पताल के एम्स के अधीन हो जाने से निजीकरण होने से इलाज के महंगे हो जाने की बीएसपी कर्मियों की चिंता खत्म हो जाएगी वहीं बेहतर प्रबंधन से सुधार का मरीजों और मेडिकल विद्यार्थियों की भी लाभ मिलेगा। जल्द ही बीएसपी प्रबंधन सहित सेल चेयरमेन,इस्पात मंत्री व केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री से जन हित को देखते हुए इस मामले में त्वरित कदम उठाने की मांग की जाएगी।

उल्लेखनीय है कि बीएसपी के पं. जवाहरलाल नेहरु चिकित्सालय एवं अनुसंधान केंद्र सेक्टर नौ अस्पताल को प्रबंधन द्वारा निजी हाथों में सौंपने की तैयारी चल रही है। इसके लिए तीन महीने पूर्व रुचि के अभिव्यक्ति के तहत 8 निजी एजेंसियों ने रुचि दिखाई है और अब ओपन टेंडर आमंत्रित किए जाने की भी प्रक्रिया जल रही है। निजीकरण का सभी यूनियनों और जन प्रतिनिधियों सहित चौतरफा पुरजोर विरोध हो रहा है। यूनियनों के मुताबिक सेक्टर नौ अस्पताल के निजीकरण हो जाने से बीएसपी कर्मियों सहित आम लोगों को इलाज महंगा हो जाने का अंदेशा है वहीं सेल को भी आर्थिक घाटा होगा। 55 साल पुराना 8 सौ बिस्तर क्षमता वाला यह अस्पताल सेंट्रल इंडिया का सबसे बड़ा अस्पताल और अपनी बेहतर चिकित्सा सुविधा व सेवा के साथ अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरणो व मशीनों से लैस रहा है। केंद्र सरकार व सेल प्रबंधन की बदली नीतियों और मेन पावर आदि की कमी के चलते यह पिछले कुछ सालों से महज के रेफरल सेंटर में तब्दील हो कर रह गया है। इसके बाद भी अपनी आधुनिक चिकित्सा मशीनों, संसाधनों और बीएसपी व रिटायर कर्मियों सहित गैर बीएसपी कर्मियों के इलाज आदि परिसंपत्तियों की विशेषताओं के चलते जेएलएनएच आज भी प्रदेश का सबसे बड़ा अस्पताल है। लेकिन इसके निजीकरण हो जाने से सभी जनविरोधी कदम बताते हुए इसका व्यापक विरोध कर रहे हैं। अब इसे अब अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स)के अंडर में सुपर स्पेशलिटी हास्पिटल कम मेडिकल कालेज बनाने की मांग की जा रही है।

यूनियनों व सामाजिक संगठनों ने इस्पात मंत्री व स्वास्थ्य मंत्री से की मांग

अत्याधुनिक हॉस्पिटल कम मेडिकल कॉलेज के लिए हैं सभी संसाधन

जानकारों के मुताबिक सेक्टर नौ अस्पताल को एक सर्वसुविधायुक्त सुपरस्पेशियलिटी हास्पिटल के रुप में विकसित करने के लिए यहां जेएलएनएच में पर्याप्त संसाधन और जगह है। विकसित करने के लिए इस अस्पताल के सभी चिकित्सा विभागों और सुविधाओं को अपडेट किये जाने की जरुरत है। यहां के रिटायर डाक्टरों व कर्मियों के मुताबिक एम्स रायपुर के अंडर में इसके आ जान से एम्स के विशेषज्ञ डाक्टरों व रिसर्च स्कालरों के साथ गुणवत्तायुक्त चिकित्सा सेवा प्रबंधन में सुधार हो जाएगा। इसका लाभ रिटायर बीएसपी कर्मियों सहित अंचल के हजारों लोगों को वाजिब रेट पर मिलता रहेगा। क्योंकि यहां हजारों बीएसपी कर्मी रिटायर होने के बाद भी अपने गृह प्रदेश न जाकर भिलाई में ही बस गए हैं, तो इसकी वजह सेक्टर नौ अस्पताल में मिलने वाली आजीवन बेहतर मेडिक्लेम सुविधा है।

मेडिकल स्टूडेंट्स को पढ़ाएंगे एम्स के डॉक्टर

वहीं मेडिकल कालेज और इसके लैब के लिए भी जेएलएनएच का 7 मंजिला भवन व इसके आसपास कई एकड़ खाली जमीन,सेक्टर 1 अस्पताल सहित सभी सेक्टरो के खाली हेल्थ सेंटर भी हैं। मेडिकल स्टूडेंट्स को पढ़ाने के लिए भी एम्स के चिकित्सक प्राध्यापक मिल जाएंगे। अध्ययापन के साथ शोध कार्य भी विकसित हो सकेगा। जेएलएनएच को सुपरस्पेशियलिटी हास्पिटल कम मेडिकल कालेज बनाने के लिए यूनियनों सहित सभी सामाजिक संगठनों को एकजुट कर हस्ताक्षर अभियान चलाकर प्रबंधन व इस्पात तथा स्वास्थ्य मंत्री से मांग की जाएगी।

सेवा, सुशासन व गरीब कल्याण की उपलब्धियों को घर-घर तक पहुंचाने का लिया संकल्प

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

भारतीय जनता पार्टी भिलाई जिला द्वारा सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के 12 साल विषय पर कार्यशाला का आयोजन भाजपा जिला कार्यालय प्रियदर्शिनी परिसर सुपेला में किया गया। कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए चन्ना केशवलु ने आगामी आयोजनों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 5 जून विश्व पर्यावरण दिवस पर एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत जिले के 10 मंडलों में 10 हजार पौधों का रोपण किया जाएगा। इसके साथ ही मीडिया संवाद, जनकल्याण शिविर, सूचना एवं प्रचार अभियान, मोदी सरकार की उपलब्धियों की प्रदर्शनी तथा प्राकृतिक खेती पर कार्यशालाओं का आयोजन भी किया जाएगा।

■ विश्व पर्यावरण दिवस पर करेंगे 10 हजार पौधों का रोपण

कार्यक्रम में जिला प्रभारी रामजी भारती, विधायक रजमहंत डोमनलाल कोर्सेवाड़ा, पूर्व कैबिनेट मंत्री जागेश्वर साहू, बृजेश बिचपुरिया, वीरेन्द्र साहू, महेश वर्मा, उषा बारले, दीपक ताराचंद साहू, सरस्वती बंजारे, सीता साहू, रविशंकर सिंह सहित अनेक पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे। अतिथियों का भाजपा गमछा और पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया गया। भाजपा जिलाध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन ने कहा कि आयोजित कार्यक्रम के तहत मीडिया संवाद, विशेष जनसंपर्क अभियान, जनकल्याण शिविर, प्रदर्शनी, प्राकृतिक खेती कार्यशाला, विश्व पर्यावरण दिवस, वृक्षारोपण, अंतरराष्ट्रीय योग दिवस, स्वच्छता अभियान, प्रगति पथ यात्रा और विकसित भारत संकल्प सम्मेलन प्रमुख हैं। मुख्य वक्ता जिला प्रभारी रामजी भारती ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता राष्ट्र निर्माण के उद्देश्य से कार्य करते हैं, किसी व्यक्ति विशेष के लिए नहीं। उन्होंने कहा कि हाल ही में आयोजित जिला प्रशिक्षण शिविर में प्राप्त प्रशिक्षण को जन-जन तक पहुंचाना है तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के 12 वर्षों की उपलब्धियों को घर-घर तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं की मेहनत और समर्पण के कारण भाजपा आज विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी के रूप में स्थापित हुई है। आभार प्रदर्शन सुषमा जेठानी ने किया।

कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष त्रिलोचन सिंह, नटवर ताम्रकार, गोपाल कृष्ण वर्मा, पूनम शुक्ला, चन्ना केशवलु, महामंत्री मनीष अग्रवाल, सुषमा जेठानी, मंत्री रश्मि सिंह, भारती साहू, मनोज तिवारी, पारस जंघेल, कोषाध्यक्ष शैलेन्द्र सिंह आदि उपस्थित थे।

नशीले पदार्थों और अवैध हथियारों के मुख्य सप्लायरों को राजनीतिक संरक्षण का आरोप

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

आम आदमी पार्टी के जिला कार्यकारी अध्यक्ष दुर्ग जसप्रीत सिंह ने खुर्सीपार के देबार मोहल्ला क्षेत्र में बड़ी मात्रा में नशीले पदार्थों और बरामद हथियारों को लेकिर चिंता व्यक्त करते हुए थाना प्रभारी खुर्सीपार को ज्ञापन सौंप निष्पक्ष जांच की मांग की। साथ ही उन्होंने अपराधियों पर राजनीतिक संरक्षण का भी आरोप लगाया।

जसप्रीत सिंह ने कहा कि भिलाई जैसे शांतिप्रिय और शिक्षा नगरी के रूप में पहचाने जाने वाले शहर के लिए यह घटना अत्यंत विचलित करने वाली है। जिस प्रकार भारी मात्रा में अवैध गांजा, शराब और धारदार घातक हथियार बरामद हुए हैं तथा तलवारबाजी व हिंसा के वीडियो सामने आए हैं, उससे यह स्पष्ट है कि इस पूरे अवैध कारोबार को मुख्य सप्लायरों, समाज के कुछ रसूखदारों और बड़े लोगों का खुला राजनीतिक संरक्षण प्राप्त है। उन्होंने आशंका जताई कि इतने बड़े पैमाने पर नशीले पदार्थों और हथियारों का मिलना किसी बड़ी आपराधिक साजिश का हिस्सा है, जिसमें समाज के कुछ रसूखदार और बड़े लोगों का हाथ है। इसके साथ ही इस अवैध कारोबार को कुछ पुलिसकर्मियों की शह भी प्राप्त थी। अतः इस मामले से जुड़े उन पुलिसकर्मियों, मुख्य सप्लायरों और राजनीतिक संरक्षण देने वाले बड़े चेहरों की गहनता से जांच की जाए।

■ आम आदमी पार्टी ने ज्ञापन सौंप उठाई निष्पक्ष पुलिस जांच की मांग

करंट की चपेट में आने से 24 वर्षीय युवक की मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

वैशाली नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत जवाहर नगर में बिजली चोरी के प्रयास के दौरान एक दर्दनाक हादसा हो गया। मुख्य बिजली लाइन में अवैध रूप से तार (कटिया) फंसाकर कनेक्शन लेने की कोशिश कर रहे 24 वर्षीय युवक की करंट लगने से मौत हो गई। हादसे के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया। मृतक की पहचान करण दिन (24 वर्ष), पिता जॉन दीन, निवासी अटल आवास, जवाहर नगर के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार युवक बिना किसी सुरक्षा उपकरण के बिजली के खंभे पर चढ़ गया था और सीधे सर्विस लाइन से कनेक्शन जोड़ने का प्रयास कर रहा था। इसी दौरान वह हाई वोल्टेज करंट की चपेट में आ गया और गंभीर रूप से झुलस गया। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि युवक अवैध रूप से बिजली कनेक्शन लेने के लिए मुख्य लाइन में कटिया फंसाने का प्रयास कर रहा था। इसी दौरान यह हादसा हुआ। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बताया जा रहा है कि 5 जून को पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया जाएगा।

शक्ति भवन का होगा विस्तार, पार्षद ने की 50 हजार रुपए की अनुशंसा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

रिसाली निगम के वार्ड 25 में स्थित छत्तीसगढ़ हल्बा आदिवासी समाज के शक्ति भवन में कार्यकारिणी बैठक हुई। इसमें पार्षद चंद्रभान सिंह ठाकुर अपने परिषद के साथियों संग उपस्थित थे। बैठक में सामाजिक विषयों और शक्ति भवन विस्तार के विषय में चर्चा हुई। चर्चा उपरान्त पार्षद चंद्रभान सिंह ठाकुर ने समाज प्रमुखों के बीच अपने पार्षद निधि से 50000 रुपए की अनुशंसा की। इस पर छग हल्बा आदिवासी समाज ने पार्षद चंद्रभान को धन्यवाद प्रेषित किया। इस अवसर पर हल्बा आदिवासी समाज के अध्यक्ष मंथिर खलेन्द्र, महिला अध्यक्ष चन्द्रिका रावत, छत्तीसगढ़ आदिवासी विकास परिषद की प्रदेश उपाध्य चन्द्रकला तारम, भुवनेश्वरी उइके, लेमन चुरेन्द्र, भूपत भुआर्य, भूषण गोरे, जेआर ठाकुर, छन्नूलाल भुआर्य, सयतू तारम, शंकर ठाकुर, भागवत राम ठाकुर, रामचरण लारेन्द्र उपस्थित थे।

■ हल्बा आदिवासी समाज के कार्यकारिणी की बैठक

बीएसपी के ठेकेदार सुधांशु आग से झुलसे

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र के एक ठेकेदार आज दोपहर अपने सेक्टर एक आफिस में अचानक आग से गंभीर रुप से जल गए। उन्हें 90 प्रतिशत से अधिक जली स्थिति में सेक्टर नौ हास्पिटल के बर्न यूनिट में भर्ती किया गया है। अस्पताल में उनकी स्थिति नाजुक बताई गई है।

बीएसपी के ठेकेदार तालपुरी इंडरनेशनल कालोनी निवासी सुधांशु खंडेलवाल दोपहर करीब दो बजे अपने सेक्टर 1 कार्यालय में जले हुए पाए गए। व किचन में संदिग्ध परिस्थितियों में रसोई में सौ प्रतिशत जली हुई अवस्था में मिले। आफिस के लोगों द्वारा इसकी जानकारी परिजनों व पुलिस को देने पर फायर ब्रिगेड को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस व दमकल स्टाफ ने उन्हें आग की लपटों से बाहर निकाला। लेकिन इस समय तक 90 से 100 प्रतिशत तक जल चुके थे। उन्हें गंभीर हालत में एंबूलेंस से सेक्टर नौ अस्पताल ले गया। वहां उन्हें बर्न यूनिट में भर्ती कराया गया है। वे किस तरह किचन तक पहुंचे व जलने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जनजाति विद्यार्थी उत्कर्ष योजना पुनः शुरू करने की मांग

भिलाई। भिलाई नगर विधायक देवेन्द्र यादव ने मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति और जनजाति विद्यार्थी उत्कर्ष योजना की वर्ष 2026-27 की प्रवेश प्रक्रिया पुनः प्रारंभ करने की मांग की है। इस संबंध में उन्होंने आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास मंत्री रामविचार नेताम को पत्र भेजकर नुरोध किया है।

विधायक देवेन्द्र यादव ने कहा कि यह योजना अनुसूचित जाति और जनजाति वर्ग के ग्रामीण व दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले मेधावी विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने का महत्वपूर्ण माध्यम है। योजना के तहत विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण और सर्वांगीण विकास का अवसर मिलता है। उन्होंने बताया कि हाल ही में योजना की प्रवेश प्रक्रिया स्थगित किए जाने के आदेश के बाद अभिभावकों और विद्यार्थियों में निराशा का माहौल है। प्रवेश प्रक्रिया रुकने से उन मेधावी छात्रों के भविष्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है, जो इस वर्ष प्रवेश परीक्षा में शामिल होने की तैयारी कर रहे थे।

आयुक्त ने जोन 4 में सड़क निर्माण व नालियों की सफाई व्यवस्था देखी

निरीक्षण में खुर्सीपार में मिली अवैध बाउंड्रीवाल, होगी कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने गुरुवार को जोन-4 खुर्सीपार क्षेत्र का निरीक्षण कर प्रस्तावित सड़क निर्माण, नालियों की सफाई व्यवस्था तथा अवैध बाउंड्रीवाल निर्माण का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों को सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने तथा सड़क पर अतिक्रमण कर बनाए गए अवैध बाउंड्रीवालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त ने सम्राट अशोक चौक से खुर्सीपार बस्ती एवं गुरुद्वारा मार्ग होते हुए खुर्सीपार थाना के पीछे स्थित वार्ड तक प्रस्तावित सड़क निर्माण स्थल का अवलोकन किया। उन्होंने निर्माण कार्य की सभी आवश्यक प्रशासनिक एवं तकनीकी प्रक्रियाएं शीघ्र पूर्ण कर सड़क निर्माण कार्य जल्द प्रारंभ कराने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। निरीक्षण के दौरान क्षेत्र की नालियों की सफाई व्यवस्था का भी जायजा लिया गया। आयुक्त ने कहा कि बरसात के मौसम को देखते हुए नालियों की नियमित सफाई सुनिश्चित की जाएए ताकि जलभराव की समस्या उत्पन्न न हो और नागरिकों को परेशानी का सामना न करना पड़े।

सड़क की हो गई है चौड़ाई कम

इस दौरान यह भी सामने आया कि कुछ स्थानीय नागरिकों द्वारा अपने घरों के सामने अवैध रूप से बाउंड्रीवाल निर्माण कर लिया गया है, जिससे सड़क की चौड़ाई कम हो गई है और आवागमन प्रभावित हो रहा है। आयुक्त ने संबंधित लोगों को नोटिस जारी कर नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि सार्वजनिक मार्गों पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान जोन आयुक्त अमरनाथ दुबे, कार्यपालन अभियंता संजय वर्मा, सहायक अभियंता चंद्रकांत साहू, उप अभियंता बसंत साहू, सहायक राजस्व अधिकारी बालकृष्ण नायडू, जोन स्वास्थ्य अधिकारी हेमंत मांझी, राजस्व निरीक्षक विजेंद्र परिहार, स्वच्छता निरीक्षक अतुल यादव, वेंकट सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

चंद्रनगर में गड्ढे से जोखिम

भिलाई। कोहका के चंद्रनगर रोड के खोदे गए गडठे से दुर्घटना का अंदेशा बना हुआ है। रुंकटा कालेज जाने वाले व्यस्ततम मार्ग के किनारे चंद्रनगर रोड पर ट्रांसफार्मर के निकट नाली निर्माण के लिए लंबा गड्ढा खोदकर लापरवाही से छोड़ दिया गया है। यहां स्ट्रीट लाइट भी नहीं होने से रात में अंधेरा होने से आवाजाही दुर्घटनाजन्य बनी हुई है। सबसे ज्यादा परेशानी दोपहिया चालकों और पैदल जाने वालों को हो रही है। रात में कुछ लोग गड्ढ में स्लिप होकर चोटिल भी हो चुके हैं। चंद्रनगर के रहवासियों ने बताया कि काफी दिनों से गड्ठे को न अब तक पाटा गया है और न ही नाली ही बनाई गई है। नगर निगम से जल्द समस्या के निदान की मांग की गई है।

खबर संक्षेप

बुजुर्ग के साथ हुई लूट आरोपी की तलाश जारी

कुम्हारी। पिछले सप्ताह 30 मई शनिवार को हुई लूट के मामले में पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है। महामाया पारा वार्ड क्रमांक 4 निवासी बुजुर्ग मोहन लाल सिन्हा

से कुछ लोगों ने 7 हजार रुपए लूटकर उन्हें घायल कर दिया। वे सुबह 5 बजे पैदल निकले थे मंदिर के ठीक पहले कंपोस्ट खाद केंद्र के पास अचानक दो गाड़ियों में लोग आए मोहन लाल सिन्हा ने बताया कि स्कूटी सवार लड़की ने उन्हें मारने के लिए पत्थर उठा लिया था इसबीच तीनों युवकों ने बुजुर्ग की जेब मे रखे 7 हजार रुपए लूटकर फरार हो गए। मोहन लाल सिन्हा जैसे तैसे मंदिर पहुंचे और पुजारी को सारी बातें बताई जिन्होंने उनके बेटे नोबल सिन्हा को इसकी जानकारी दी। इसके साथ ही घटना की जानकारी पुलिस को दी गई । पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज कर छानबीन में जुट गई है। फिलहाल एक सप्ताह बाद भी पुलिस के हाथ खाली हैं।

शब्द शिखर से सम्मानित हुए मोहित

सेलूद। वक्ता मंच द्वारा राजधानी के वृंदावन सभागृह में रचनाकार सम्मान समारोह के अंतर्गत प्रदेश स्तरीय रचनाकारों को सम्मानित किया गया1 इस अवसर पर नवोदित एवं प्रतिष्ठित रचनाकार शामिल रहे। आयोजन में साहित्यिक अभिरुचि के लिए शब्द शिखर सम्मान से मोहित कुमार शर्मा सम्मानित हुए। इस अवसर कुछ साहित्यकारों पुस्तक का विमोचन वक्ता मंच के अध्यक्ष राजेश पराते, संयोजक शुभम साहू के साथ उपस्थित अतिथियों के करकमलों से किया गया। कार्यक्रम के दौरान रायपुर, राजिम, गरियाबंद, दुर्ग, भिलाई, राजनंदगांव, डोंगरगढ, मोहला, मुंगेली, बालोद, बस्तर, बेमेतरा, धमधा, कोंडागाँव, पाटन, गरियाबंद, खैरागढ़, लोरमी, महासमुंद, बालोद, चंपारण, सारंगढ़, बलौदाबाजार, जांजगीर, रायगढ़ के साहित्यकारों को सम्मानित किय गया।

महिमा हॉस्पिटल में रक्त शिविर किया युवाओं ने

उतई। महिमा हॉस्पिटल के डायरेक्टर टी.आर. यादव के जन्मदिन पर महिमा हॉस्पिटल उतई में बालाजी ब्लड बैंक द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। डॉ. टी.आर. यादव ने रक्तदान कर इस आयोजन का शुभारंभ किया। इस शिविर में हॉस्पिटल स्टॉफ के साथ साथ ग्रामीणों ने भी हिस्सा लिया जिससे कुल 32 यूनिट ब्लड डोनेट हुआ।

वार्डवासियों ने नगरपालिका और थाना को सौंपा ज्ञापन

कुम्हारी। गुरुवार को वार्ड क्रमांक 11 के रहवासी बड़ी संख्या में मिथलेश यादव की अगुआई में नगरपालिका और थाना पहुंचकर हस्ताक्षरयुक्त ज्ञापन सौंपा। वार्डवासियों का आरोप है कि वार्ड में स्थित होटल में संदिग्ध गतिविधियां होती हैं यहां लगातार युवक युवतियों का आना जाना लगा रहता है जिससे वार्ड में रहने वाले लोग प्रभावित होते हैं उन्होंने बताया कि पूर्व में भी इस होटल के बारे में थाने में ज्ञापन दिया गया था कार्यवाही स्वरूप कुछ समय के लिए होटल को बंद कर दिया गया था लेकिन अब वह पुनः संचालित हो रहा है।

सुशासन तिहार केवल आयोजन, धरातल पर बेबस किसान : ताम्रध्वज

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंडा/उतई/निकुम

यूरिया और डीएपी की किल्लत, किसानों को हो रही भारी परेशानी

प्रदेश में खरीफ सीजन की शुरुआत से पहले किसानों को हो रही खाद की किल्लत यूरिया, डीएपी और टोकन व्यवस्था में आ रही समस्याओं को लेकर गुरुवार को कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता प्रदेश के पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू एवं क्षेत्र के सभी प्रमुख पदाधिकारियों के साथ दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के ग्राम नगपुरा, थनौद, अंडा, कुथरेल, बोरीगारका, मचांदुर एवं नगर पंचायत उतई में सेवा सहकारी समितियों का दौरा किया। श्री साहू सहकारी समितिओं और खाद वितरण केंद्रों पर पहुंचकर समिति प्रबंधकों एवं किसानों से सीधा चर्चा किया। सोसायटी में किसानों से चर्चा के दौरान पता चला की खाद-बीज का पर्याप्त भंडारण नहीं है, जिसके कारण सभी अन्नदाता तपती धूप में लंबी-लंबी लाइनों में लगने को मजबूर हैं। परेशान और बेबस किसान साथियों में इस अव्यवस्था को लेकर भारी आक्रोश है। सुशासन का दावा करने वाली भाजपा सरकार विज्ञापनों से बाहर निकले और किसानों की सुध ले। पूर्व मंत्री ताम्रध्वज साहू का आरोप है कि राज्य के किसान बुवाई के महत्वपूर्ण समय में यूरिया और डीएपी की किल्लत से जूझ रहे हैं। कांग्रेस नेताओं का दावा है कि भाजपा सरकार 'सुशासन तिहार' जैसे आयोजनों में व्यस्त है और जमीनी स्तर पर अन्नदाताओं की अनदेखी कर रही है। मैं उच्च अधिकारियों व जिला प्रशासन से मांग करता हूं कि इस गंभीर समस्या पर तुरंत संज्ञान लें। इस गुत्थी को समझें कि आखिर खाद जा कहां रही है और किसान तक क्यों नहीं पहुंच रही।

कांग्रेस के वक्ताओं का कहना है कि एक तरफ केंद्र और राज्य सरकार लगातार दावा कर रही है खरीफ सीजन के लिए पर्याप्त उर्वरक उपलब्ध है और किसानों को किसी प्रकार की कमी नहीं होगी। इसके बावजूद जमीनी स्तर पर छोटे किसानों को डीएपी नहीं मिलने की शिकायतें सामने आ रही हैं अधिकांश समितियों में आवश्यक खाद के साथ ही डीएपी जैसे अति जरूरी खाद उपलब्ध नहीं है और कहीं-कहीं कुछ-कुछ खाद है भी तो सरकारी आदेश प्रति एकड़ 25 किलो डीएपी, एक बोरा यूरिया, राखड़, पोटास ही नाममात्र का दिया जा रहा है। इसी तरह बीज का भी समुचित भंडारण समितियों में नहीं होने से किसान बीज के लिए भटका रहे हैं। कई समिति के सरना धान बीज करगायुक्त और अमानक वितरण की भी शिकायत किसानों ने किया है। इससे सरकारी दावों और वास्तविक व्यवस्था के बीच अंतर दिखाई दे रहा है।

इस दौरा कार्यक्रम में ब्लॉक कांग्रेस दुर्ग ग्रामीण अध्यक्ष देवेंद्र देशमुख, पूर्व अध्यक्ष केश कला नंद कुमार सेन, उपाध्यक्ष जिला कांग्रेस रिवेन्द्र यादव, उपाध्यक्ष जिला कांग्रेस टिकेश्वरी लाल देशमुख, महामंत्री जिला कांग्रेस योगिता चन्द्रकार, महामंत्री लक्ष्मी साहू, जनपद सदस्य झमित गायकवाड़, रविंद्र सिन्हा, कैलाश सिन्हा, ताम्रज सिन्हा, मंडल अध्यक्ष नंद कुमार साहू, देवराज चतुर्वेदी, दिवाकर गायकवाड़, धर्मेंद्र बंजारे, मुरारी देशमुख, हरेंद्र देव, तारकेश्वर चन्द्रकार, सरपंच अंडा दिग्विजय सिन्हा, रुपेश देशमुख, डॉ. पिलेश्वर साहू, जनपद उपाध्यक्ष राकेश हिरवानी, गीता महानन्द, जामवंत गजपाल, बेकुंठ, राजेश साहू, वेदनारायण, दुलरवा सोनबेर, शिवनारायण दिल्लीवार, युगल साहू, चाँदखान, कृष्णा साहू, निरंजन राजपूत, अरुण वर्मा, डिकेंद्र हिरवानी, द्वारिका साहू, डॉ. प्रहलाद वर्मा, बहादुर नेताम आदि उपस्थित थे।

तालाब निर्माण शुरू होने से ग्रामीणों में उत्साह

औरी में बनेगा तालाब, दूसरे गांव पर निर्भरता खत्म होने से खुशी

हरिभूमि न्यूज ⏭ पाटन/सेलूद

सांसद बघेल और सरपंच का जताया आभार

दुर्ग जिले के पाटन विकासखंड अंतर्गत ग्राम औरी में वर्षों पुरानी मांग पूरी होने जा रही है। गांव में पहली बार तालाब निर्माण कार्य शुरू होने से ग्रामीणों में खुशी का माहौल है। लंबे समय से तालाब के अभाव में ग्रामीणों को निस्तारी सहित विभिन्न आवश्यक कार्यों के लिए पड़ोसी गांवों पर निर्भर रहना पड़ता था। अब गांव में तालाब निर्माण की स्वीकृति मिलने के बाद ग्रामीणों की यह समस्या दूर होने की उम्मीद जगी है।

ग्राम पंचायत की सरपंच कालिंद्री मानिकपुरी के सतत प्रयासों और जनप्रतिनिधियों के सहयोग से तालाब निर्माण कार्य का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में सांसद विजय बघेल मुख्य रूप से उपस्थित रहे। उनके हाथों निर्माण कार्य की शुरुआत होने पर ग्रामीणों ने खुशी जाहिर की। विशेष रूप से जिला पंचायत सभापति नीलम चंद्राकार, सांसद प्रतिनिधि राजेश चंद्राकर, राजा पाठक, लोक मनी चंद्राकार, दीपक चंद्राकार, मंडल अध्यक्ष कमलेश चंद्राकार, राजेश वर्मा सहित अन्य मौजूद थे।

ग्रामीणों का कहना है कि गांव में तालाब नहीं होने के कारण पशुओं की निस्तारी, घरेलू उपयोग तथा अन्य आवश्यक कार्यों के लिए काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। कई बार लोगों को पड़ोसी गांवों में जाकर निस्तारी की व्यवस्था करनी पड़ती थी। ऐसे में तालाब निर्माण की स्वीकृति गांव के लिए किसी बड़ी सौगात से कम नहीं है।

तालाब निर्माण के शुभारंभ अवसर पर गांव के बच्चे, बुजुर्ग, महिलाएं और युवा बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। ग्रामीण अपने-अपने दैनिक कार्य छोड़कर कार्यक्रम में शामिल हुए और तालाब निर्माण की शुरुआत का स्वागत किया। पूरे गांव में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला।

सरपंच कालिंद्री मानिकपुरी ने कहा कि यह तालाब गांव के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। तालाब बनने से जल संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा तथा ग्रामीणों को निस्तारी की सुविधा भी उपलब्ध होगी। ग्रामीणों ने उम्मीद जताई कि निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण होने के बाद इसका लाभ पूरे गांव को मिलेगा।

इस अवसर पर सरपंच कलेंद्री गजेंद्र मानिकपुरी, दिलीप टंडन, लोकमणि चंद्राकर, सरिता सोनवानी, मनीषा देशलहरे, अभिषेक, रामा कुर्रे, चन्द्रदेव भूरू, पूना राम, ग्वालिन, घसिया कुर्रे, सती, तुका यादव, सनत सोनवानी, पूनम सॉन्ग सुल्तान, चन्द्रभान, सरजू यादव, बंटी बंजारे, सचिव पूनम, पूर्व जनपद सदस्य उतरा सोनवानी, दुष्यंत सहित अन्य मौजूद रहे।

घुघुवा में पेयजल संकट गहरा रहा, पंचायत प्रतिनिधि मौन

हरिभूमि न्यूज ⏭ पाटन

दुर्ग जिले के जनपद पंचायत पाटन अंतर्गत ग्राम पंचायत घुघुवा(क) में इन दिनों पेयजल की गंभीर समस्या बनी हुई है। ग्रामीणों के अनुसार पिछले लगभग दो सप्ताह से गांव के अधिकांश घरों में नलों से पर्याप्त पानी नहीं पहुंच रहा है। हालात ऐसे हैं कि कई परिवारों को पीने के लिए भी पानी जुटाने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

■ पेयजल व्यवस्था सुचारु कर राहत दिलाने की मांग की

ग्रामीणों का कहना है कि गांव के कुछ सार्वजनिक स्थलों पर ही सीमित मात्रा में पानी उपलब्ध हो रहा है, जहां सुबह और शाम बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं। पानी भरने को लेकर आए दिन विवाद और झगड़े की स्थिति बन रही है। लोगों का आरोप है कि यदि जल्द समाधान नहीं किया गया तो कभी भी अप्रिय घटना घट सकती है।

गौरतलब है कि लोकसभा सांसद विजय बघेल की अनुशंसा पर हाल ही में गांव में पेयजल संकट दूर करने के उद्देश्य से बोर खनन कराया गया था, लेकिन इसके बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सका है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि ग्राम पंचायत के जनप्रतिनिधि इस मुद्दे पर गंभीरता नहीं दिखा रहे हैं और न ही कोई स्पष्ट जवाब दे रहे हैं। समस्याग्रस्त ग्रामीणों ने जिला प्रशासन, जनपद एवं जिला पंचायत के सीईओ, अनुविभागीय अधिकारी तथा कलेक्टर से तत्काल हस्तक्षेप कर पेयजल व्यवस्था सुचारु कराने और गांववासियों को राहत दिलाने की मांग की है।

छत्तीसगढ़ रत्न डॉ. शिरोमणि को अगासदिया सम्मान 2026

भिलाई। मासिक पत्रिका नवागमन के मई 2026 विशेषांक का विमोचन और अगासदिया सम्मान समारोह राजहरा में संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि राजमाता फुलवा देवी कांग्रे ने लेखिका, शिक्षाविद् एवं समाजसेवी डॉ. शिरोमणि माथुर को अगासदिया सम्मान से विभूषित किया। इस अवसर पर डॉ. माथुर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर केंद्रित नवागमन का विशेषांक भी विमोचित हुआ।संयोजक डॉ. परदेशीराम वर्मा ने कहा कि 82 वर्षीय वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. माथुर को उनके निवास में आयोजित विचार गोष्ठी में सम्मानित कर हम गौरवान्वित हैं। वे 15 पुस्तकों की लेखिका हैं और छत्तीसगढ़ सहित देशभर में चर्चित हैं। राजमाता फुलवा देवी कांग्रे ने बताया कि 2025 में मांझी महोत्सव में भी डॉ. माथुर को शहीद दुर्वासा लाल निषाद सम्मान दिया गया था। सम्मान पाकर डॉ. शिरोमणि माथुर ने कहा कि यह सम्मान मुझे नई ऊर्जा और प्रेरणा देगा। मैं अंतिम सांस तक लेखन में रहकर राजहरा, छत्तीसगढ़ और देश का कर्ज चुकाने का प्रयास करूंगी। उन्होंने बताया कि वे दाऊ वासुदेव चंद्राकर, संत पवन दीवान के साथ कई कार्यक्रमों में शामिल होती रही हैं। विचार गोष्ठी की अध्यक्षता जी.आर. राणा ने की। उन्होंने कहा कि डॉ. माथुर ने जन सेवा एवं लेखन से 15 पुस्तकों का प्रकाशन किया।

इस दौरान आशुतोष माथुर ने अध्यक्ष जी.आर. राणा, राजमाता फुलवा देवी कांग्रे, कमलेश चंद्राकर, कैलाश जैन बरमेचा सहित अतिथियों को सम्मानित किया। समारोह में मधुर साहित्य परिषद, जनवादी लेखक संघ, हस्ताक्षर साहित्य समिति-दल्ली राजहरा, वनांचल साहित्य समिति मोहला सहित कई संस्थाओं के साहित्यकार मौजूद रहे। संचालन डॉ. रजनी नेल्सन और आभार प्रदर्शन नेहा माथुर ने किया।

अफसरों की दफतर में उपस्थिति सुनिश्चित हो

हरिभूमि न्यूज ⏭ जामगांव आर

सुशासन शिविर बुधवार को जामगांव आर में आवेदकों की भीड़ उमड़ी और 2373 आवेदन प्राप्त हुए। जिसमें एक आवेदन ऐसा भी आया आवेदक ने कहा कि जब कलेक्टर, एसपी का मुख्यालय में रहना अनिवार्य है क्योंकि इनके मुख्यालय में रहने से व्यवस्था सुचारू दुरुस्त संचालित होगी। यदि यही सिस्टम सभी विभाग के कर्मचारियों के लिए शासन लागू कर दें तो सुशासन तिहार जैसा आयोजन तपती गर्मी में सरकार को करने की जरूरत ही नहीं पड़ेगी। आवेदक ने कहा कि शिक्षा का स्तर इतना गिरा है कि 8 वीं तक शासन की कृपा से सतत उत्तीर्ण हो जाने वाले अनेकों बच्चे 9वीं में बगले झांकते हैं, यदि शिक्षक मुख्यालय में रहे तो गुरु शिष्य का मेल मिलाप स्कूली अवधि के बाद भी हो सकती है जिसका लाभ शिष्य को अवश्य मिल सकता है और शिक्षा का स्तर में अच्छा परिणाम आ सकता है। जामगांव आर में उप तहसील, शासकीय कालेज, सेजस शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक, जिला केंद्रीय सहकारी बैंक, लोकनिर्माण विभाग, ग्राम पंचायत, पशु चिकित्सालय, विद्युत विभाग आदि की सेवाएं तो मिलती है लेकिन मुख्यालय में निवासरत अधिकारी नजर नहीं आते,जिससे इनका जुड़ाव आम जनता से नहीं बन पाता, अधिकांश लोग शहरों से आते हैं और नौकरी कर निकल पड़ते हैं। इससे शहरों का लोड बढ़ता है और गांव खाली का खाली रह जाता है। इस दिशा में सरकार त्वरित चिंतन कर गांवों और जनहित की दृष्टि से ऐसा नियम लागू करे कि सेवारत स्थान पर अधिकारी कर्मचारी निवासरत होकर समर्पित सेवा दे सके।

लेखा परीक्षा में दुर्ग संभाग टॉप पर, पहले 10 स्थान में चार पर संभाग का कब्जा

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

■ दुर्ग संभाग के खेमलाल प्रावीण्य सूची में प्रथम स्थान पर

वित्त विभाग के द्वारा शासकीय कर्मचारियों के लिए आयोजित लेखा परीक्षा सत्र का परिणाम आज घोषित किया गया। लेखा परीक्षा में दुर्ग संभाग के खेमलाल साहू प्रावीण्य सूची में प्रथम स्थान पर रहे। जारी परिणाम में संभागीय वित्त एवं लेखा संस्थान दुर्गा पूरे प्रदेश में सर्वोच्च स्थान पर रहा। वित्त विभाग के द्वारा जारी प्रवीण सूची में दुर्ग संभाग के खेमलाल साहू ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, इसी तरह अशोक कुमार साहू को तीसरा स्थान, जितेश साहू को चौथा स्थान और तृप्ति साहू को पांचवा स्थान प्राप्त करने में सफल रहे। पूरे प्रदेश में संभागीय वित्त एवं लेखा संस्थान दुर्गा एकमात्र ऐसा ऐसी संस्था है जहां के 23 कर्मचारियों ने 60% से ज्यादा अंक प्राप्त कर एक वार्षिक वेतन वृद्धि के पात्रता न केवल अर्जित के बल्कि अपने संभाग का भी नाम रोशन किया।

शहीदों की विरासत को सलाम, लिया मेहनतकशों ने संघर्ष करने का संकल्प

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

छत्तीसगढ़ मुक्ति मोर्चा मजदूर कार्यकर्ता समिति एवं मेहनतकश आवास अधिकार संघ के तत्वावधान में अमर शहीदों की स्मृति में श्रद्धांजलि जुलूस निकाला गया। शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर आयोजित सभा में वक्ताओं ने शहीदों के अदम्य संघर्ष, बलिदान और उनके द्वारा स्थापित मजदूर एकता की गौरवशाली परंपरा को याद करते हुए उसे आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

वक्ताओं ने कहा कि शहीद शंकर गुहा नियोगी के नेतृत्व में वर्ष 1977 में लगभग 10,000 खदान मजदूरों ने सम्मानजनक जीवन, जीने लायक वेतन, नियमितीकरण और श्रम अधिकारों के लिए ऐतिहासिक आंदोलन छेड़ा था। मजदूरों की एकता और संघर्ष को कुचलने के लिए 2 और 3 जून 1977 को बर्बरतापूर्वक गोलीकांड किया गया, जिसमें 11 मजदूर साथी शहीद हुए। इन शहीदों में वीरांगना अनुसुइया बाई भी शामिल थीं, जिन्होंने मजदूर आंदोलन की रक्षा करते हुए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। यह शहादत केवल कुछ मजदूरों की कुर्बानी नहीं थी, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ की मेहनतकश जनता की चेतना को झकझोर देने वाली घटना थी। शहीदों के रक्त और संघर्ष की ताकत के सामने अंततः सरकार और प्रबंधन को झुकना पड़ा तथा लगभग 10,000 मजदूरों को स्थायी रोजगार देने के लिए मजबूर होना पड़ा।

पेज 9 के शेष

जनता की सेवा सर्वोच्च ...

बेरला को मिली 2.57 करोड़ की विकास सौगात: कार्यक्रम में नगर पंचायत बेरला को 2 करोड़ 57 लाख रुपये से अधिक के विकास कार्यों की सौगात मिली। लगभग 2 करोड़ 38 लाख रुपये की लागत से गौधाम, मुक्तिधाम, सड़क, नाली, चबूतरा, सामुदायिक भवन निर्माण एवं एसआरएलएम सेंटर उन्नयन सहित विभिन्न कार्यों का भूमिपूजन किया गया। वहीं करीब 19.58 लाख रुपये की लागत से निर्मित अतिरिक्त समा कक्ष का लोकार्पण भी किया गया। **पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता का संदेश:** विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर विधायक दीपेश साहू ने नगरवासियों से स्वच्छ एवं सुंदर बेरला के निर्माण में भागीदारी की अपील की। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के /"एक पेड़ मां के नाम/" अभियान को जनआंदोलन बनाने का आह्वान किया तथा जल संरक्षण, सोख्ता गड्ढों के निर्माण और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम के अंत में उन्होंने नगर पंचायत गार्डन में वृक्षारोपण कर अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनके संरक्षण का संकल्प दिलाया। कार्यक्रम के समापन पर जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों और नागरिकों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई। सभी ने युवाओं को नशे से दूर रखने और स्वस्थ एवं सकारात्मक समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया। समाधान शिविर ने एक बार फिर यह संदेश दिया कि जब प्रशासन की संवेदनशीलता, जनप्रतिनिधियों की सक्रियता और जनता की सहभागिता एक साथ जुड़ती है, तब सुशासन केवल नारा नहीं बल्कि धरातल पर दिखाई देने वाली वास्तविकता बन जाता है।

जंगली सूअरों का ...

बाद सूअर फिर लौट आते हैं। ऐसा लगता है जैसे उन्हें किसानों की रणनीति पहले से पता हो। किसान अर्जुन सोनकर का कहना है कि नुकसान केवल खाने से नहीं हो रहा, बल्कि खेतों में दौड़ने और उछलने से धान की पूरी कतारें जमीन पर गिर जा रही हैं। कई जगह फसल कटाई से पहले ही चौपट होने लगी है।

पर्यावरण का ध्यान रखना हर व्यक्ति का कर्तव्य, दिया संदेश

भिलाई। पर्यावरण की गोद में सुंदर पुष्प, पेड़ पौधे, लताएंए चहचहाते पक्षी जो आकर्षण के केंद्र बिंदु होते हैं, आज मानव ने अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए पर्यावरण के सहज कार्यों में हस्तक्षेप करना शुरू कर दिया है जिसके कारण हमारा पर्यावरण प्रदूषित हो रहा है। कदम संस्था दुर्ग उपाध्यक्ष राजेश शर्मा ने कहा कि हम खुद का और अपने परिवार के सभी सदस्यों का तो बहुत ख्याल रखते हैं पर जिससे हम सभी का जीवन सुरक्षित एवं स्वस्थ रह सकेगा जो कि सुंदर पर्यावरण है उसका ख्याल बिलकुल नहीं रखते। जबकि सभी जरूरी आवश्यकताओं में से सबसे महत्वपूर्ण पर्यावरण का संरक्षण है। कुदरत हमारे लिए मकान मालिक की तरह है। जहां हमें रहने की जगह दी गयी है लेकिन कुदरत के कुछ नियम है जैसे मकान मालिक की शर्तों का उल्लंघन करने पर मालिक किराए दार को घर खाली करवा देता है। ठीक वैसे ही प्रकृति के नियमों के उल्लंघन करने पर प्रकृति हमें यहां से निकाल देगी। साल में एक बार पर्यावरण दिवस भी 5 जून को मनाया जाता है।

कार्यालय राजस्व निरीक्षक-कोबिया, तहसील-बेमेतरा, जिला-बेमेतरा
सीमांकन के संबंध में सूचना
दिनांकः 05/06/2026
एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया किया जाता है कि आवेदक सुशील साहू पिता दरबारी साहू निवासी ग्राम-बेमेतरा के द्वारा ग्राम- सिंघौरी, रा.नि.मं. कोबिया, तहसील व जिला-बेमेतरा स्थित भूमि ख.नं. 270/13 (शा.ख.नं. 271/1, 272/1) रकबा 0.049 हे. का सीमांकन न्यायालय कलेक्टर, जिला बेमेतरा (छ.ग.) के पुन.प्र.क्र. 202510230100036/अ-12/वर्ष 2023-24 पारित आदेश दिनांक 19/02/2026 के परिपालन में दिनांक 15/06/2026 दिन सोमवार को सुबह 11:00 बजे पुनः किया जाना है। उक्त भूमि के सीमांकन में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को दावा आपत्ति हो वह उक्त दिनांक / समय तक प.ह.नं. 26 सिंघौरी के कार्यालय में दस्तावेजों सहित स्वयं अथवा अपनें वैध अभिभावक के माध्यम से उपस्थित हो कर प्रस्तुत कर सकते है। बाद में किसी भी दावा या आपत्ति पर विचार किया जाना संभव नहीं हो सकेगा।
अतः सूचना जानें।
राजस्व निरीक्षक, कोबिया
तहसील व जिला-बेमेतरा

न्यायालय कार्यपालिक दण्डाधिकारी साजा जिला बेमेतरा छ.ग.
// ईश्तहार //
रा.प्र.क्र. 202605230700018
सन 2025–26 श्रेणी :- ब/121
एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है आवेदक जयप्रकाश सोनी पिता राजकुमार सोनी जाति सोनार निवासी ग्राम साजा प.ह.न. 09 तहसील साजा जिला बेमेतरा के द्वारा अपने दादी मुन्नीबाई के मृत्यु दिनांक 07.10.2008 को ग्राम साजा प.ह.न. 09 तहसील साजा जिला बेमेतरा छ.ग. में हुआ था। जिसका मृत्यु पंजीयन नहीं हुआ है। अतः पंजीयन कराने हेतु रजिस्ट्रार नगर पंचायत साजा को आदेशित किये जाने बाबत आवेदन प्रस्तुत किया है।
अतः उपरोक्त संबंध जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 12/06/2026 तक पेश कर सकते है। प्रकरण के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।आज दिनांक 18/05/2026 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।
मुहर
कार्यपालिक दण्डाधिकारी
साजा, जिला बेमेतरा (छ.ग.)

खबर संक्षेप

राम कुमार वर्मा द्वारा रोपित ईरानी इमली 6 फीट का हुआ

साजा। सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत के संरक्षण में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। स्कूली शिक्षा के साथ स्थानीय संस्कृति को जोड़ने वाली देश की सर्वोच्च संस्था सांस्कृतिक स्त्रोत्र एवं प्रशिक्षण केंद्र नई दिल्ली से प्रशिक्षित एवं जनजाति शोधार्थी, राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त शिक्षक सजा निवासी राम कुमार वर्मा ने मध्य प्रदेश के धार जिले स्थित मांडवगढ़ की शुष्क क्षेत्र मांडू से ईरानी इमली जिसे उसके औषधीय गुणों के कारण कल्पवृक्ष कहा जाता है, उसे कुर्मीपारार नया बाजार के ठाकुर देव के समीप रोपित किया है, जो लगभग 6 फीट ऊंची हो चुकी है। इस इमली का गुदा खट्टा मीठा व फल पपीते की तरह होता है। इसे मंकी ब्रेड भी कहा जाता है। यह मूलतः अफ्रीका के शुष्क के क्षेत्र से 13वीं से 15वीं शताब्दी के बीच खिलजी वंश के शासकों द्वारा भारत लाया गया था। यह विटामीन सी का बेहतरीन स्त्रोत है। इसके सेवन से पेट से संबंधित बीमारियां, मलेरिया, एनीमिया, दस्त आदि दूर होती है। वहीं इसे बाओबाब भी कहा जाता है। भारत में यह केवल मांडू क्षेत्र में पाया जाता है। जहां उसकी नर्सरी भी विकसित की गई है। इस पौधे का रोपण डा धर्मेंद्र पारे निदेशक जनजाति बोली विकास अकादमी एवं जनजाति संग्रहालय भोपाल मध्य प्रदेश की प्रेरणा और प्राक्रतिक शिक्षा क्रम में किया गया है।

होम आइसोलेशन में कांगो, इथोपिया और युगांडा के यात्री

दुर्ग। इबोला वायरस संक्रमण को लेकर एहतियात के तौर पर दुर्ग जिले में स्वास्थ्य विभाग द्वारा सतर्कता बरती जा रही है। कांगो, इथोपिया और युगांडा से जिले में पहुंचे तीन अंतर्राष्ट्रीय यात्रियों को 21 दिनों के लिए होम आइसोलेशन में रखा गया है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा उनकी प्रतिदिन सुबह और शाम स्वास्थ्य निगरानी की जा रही है। बताया जाता है कि तीनों की तबियत पूरी तरह से ठीक है और कैटेगरी 1 के व्यक्ति हैं तथा इबोला वायरस के कोई लक्षण नहीं है। जानकारी के अनुसरा अनुसार 31 मई को कांगो से एक यात्री दुर्ग पहुंची थीं, जबकि 2 जून को भिलाई में दो अन्य अंतर्राष्ट्रीय यात्री पहुंचे, जिनमें एक इथोपिया और एक युगांडा से आए हैं। तीनों यात्रियों में फिलहाल किसी प्रकार के लक्षण नहीं पाए गए हैं और न ही उनका किसी संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने का इतिहास है। सभी यात्री पूरी तरह स्वस्थ और असिम्प्टोमैटिक बताए गए हैं। राज्य शासन से प्राप्त निर्देशों के बाद जिला चिकित्सालय दुर्ग में 10 बिस्तरों का विशेष आइसोलेशन वार्ड तैयार किया गया है। गुरुवार को राज्य सर्विलेंस अधिकारी डॉ. खेमराज सोनवानी ने अस्पताल पहुंचकर आइसोलेशन वार्ड का निरीक्षण किया तथा इबोला वायरस के लक्षणों, रोकथाम और आवश्यक सावधानियों को लेकर स्वास्थ्य अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए।

आयोजन : "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान से जुड़ने का किया आह्वान

विधायक दीपेश ने पत्नी संग रोपा जामुन का पौधा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेमेतरा

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शुक्रवार को कोबिया वार्ड स्थित शासकीय हाईस्कूल परिसर हरियाली के संदेश से गूंज उठा। वनमंडल दुर्ग एवं जिला प्रशासन बेमेतरा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित पौधारोपण कार्यक्रम में बेमेतरा विधायक दीपेश साहू ने पत्नी के साथ जामुन का पौधा लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, विद्यार्थियों और नागरिकों ने भी बड़ी संख्या में भाग लेकर वृक्षारोपण किया।

- विश्व पर्यावरण दिवस पर हरियाली का संकल्प

इस अवसर पर विधायक श्री साहू ने कहा कि पर्यावरण केवल प्रकृति का विषय नहीं, बल्कि मानव जीवन और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य से जुड़ा सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा है। उन्होंने कहा कि बढ़ते तापमान, जल संकट और प्रदूषण जैसी चुनौतियों के बीच पौधारोपण समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बन गया है। एक पौधा लगाने का अर्थ है भविष्य को स्वच्छ हवा, शुद्ध जल और सुरक्षित वातावरण देना। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान का उल्लेख करते हुए नागरिकों से इसमें सक्रिय भागीदारी की अपील की। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपनी मां के सम्मान में कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल का संकल्प लेना चाहिए। जन्मदिन, विवाह वर्षगांठ और अन्य शुभ अवसरों पर पौधारोपण को परंपरा का हिस्सा बनाने की भी उन्होंने अपील की। विधायक ने कहा कि केवल पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें वृक्ष बनने तक संरक्षित रखना भी उतना ही आवश्यक है। पर्यावरण संरक्षण को जनभागीदारी से जनआंदोलन का रूप देना होगा। उन्होंने विद्यार्थियों और युवाओं से पर्यावरण संरक्षण के दूत बनने तथा समाज को जागरूक करने का आह्वान किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष रामकृष्ण साहू ने कहा कि जनसहभागिता के बिना पर्यावरण संरक्षण का लक्ष्य पूरा नहीं हो सकता। वहीं नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा ने नागरिकों से हरित एवं स्वच्छ बेमेतरा के निर्माण में सहयोग देने की अपील की। भाजपा जिलाध्यक्ष अजय साहू ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वृक्षारोपण देशव्यापी जनआंदोलन का रूप ले रहा है। वरिष्ठ जनप्रतिनिधि राजेंद्र शर्मा ने इसे प्रकृति के प्रति अपने दायित्वों को याद करने और निभाने का अवसर बताया। अंत में सभी उपस्थित लोगों ने पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण और अधिक से अधिक पौधारोपण करने का सामूहिक संकल्प लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाकर हरियाली को जनआंदोलन का स्वरूप देना रहा।

ये हुए शामिल

कार्यक्रम में दुर्ग रेंज के डीएफओ दीपेश कपिल, जिला पंचायत सीईओ प्रेमलता पद्माकर, जिला शिक्षा अधिकारी जी.आर. चतुर्वेदी, विकासखंड शिक्षा अधिकारी कामनी महिलांगे सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। साथ ही भाजपा पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, विद्यार्थी और बड़ी संख्या में नागरिक भी शामिल हुए।

रानो स्कूल के बच्चों ने पौधे लगा कर लिया हरियाली का संकल्प

बेमेतरा। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर साजा विकासखंड के शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला रानो में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस दौरान बच्चों ने लगाए गए पौधों की सुरक्षा और उनके नियमित संरक्षण का भी संकल्प लिया।

नवाचारी शिक्षिका प्रतीक जैन की प्रेरणा से आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने न केवल पौधे रोपे, बल्कि प्रकृति और पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी को भी समझा। विद्यालय परिसर में हरियाली बढ़ाने के साथ-साथ पक्षियों एवं अन्य जीव-जंतुओं के लिए भोजन और पानी की व्यवस्था करने का भी संकल्प लिया गया।

इस अवसर पर शिक्षिका प्रतीक जैन ने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस का उद्देश्य लोगों को प्रकृति के प्रति जागरूक करना और जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण तथा वनों की कटाई जैसी गंभीर चुनौतियों के खिलाफ सामूहिक प्रयास के लिए प्रेरित करना है। उन्होंने कहा कि पेड़ लगाना, जल संरक्षण करना, प्लास्टिक का कम उपयोग करना और अपशिष्ट प्रबंधन को अपनाना आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि यदि प्राकृतिक संसाधनों का समझदारी से उपयोग किया जाए तो आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ, सुरक्षित और हरित वातावरण सुनिश्चित किया जा सकता है। स्थानीय स्तर पर वृक्षारोपण, सफाई अभियान और पर्यावरण विषयक गोष्ठियों के माध्यम से सामुदायिक सहभागिता को भी मजबूत बनाया जा सकता है। कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने पर्यावरण संरक्षण से जुड़े नारों के साथ लोगों को जागरूक करने का संदेश दिया। विद्यालय परिवार ने यह संकल्प भी लिया कि लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल कर उन्हें वृक्ष बनने तक संरक्षित रखा जाएगा। विश्व पर्यावरण दिवस पर आयोजित यह कार्यक्रम विद्यार्थियों में पर्यावरणीय चेतना विकसित करने और प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाने की दिशा में एक प्रेरणादायी पहल साबित हुआ।

एक पौधा लगाकर नहीं, उसे बचाकर भी दिखाया...

बेमेतरा/बेरला। विश्व पर्यावरण दिवस पर जहां कई स्थानों पर पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किए गए, वहीं विकासखंड बेरला के शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय बलौदीकला ने एक कदम आगे बढ़ते हुए पौधा लगाने के साथ उसके संरक्षण की भी मिसाल पेश की। विद्यालय परिसर में बादाम का पौधा रोपित कर उसे तार जाली से सुरक्षित किया गया, ताकि वह आने वाले वर्षों में हरियाली और छांव का प्रतीक बन सके।

- बलौदीकला स्कूल ने दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

कार्यक्रम में ग्राम सरपंच चंपा चौहान, शिवप्रसाद विश्वकर्मा, दुलारी बाई साहू, हिरकणी पटेल, आशा निषाद, कृष्ण कुमार शिवारे और गजानंद वर्मा सहित ग्रामीणजन एवं विद्यालय परिवार उपस्थित रहे। सभी ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। विद्यालय के प्रधान पाठक राजेश यादव ने कहा कि आज पर्यावरण संरक्षण केवल एक अभियान नहीं बल्कि मानव अस्तित्व की आवश्यकता बन गया है। उन्होंने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस हमें याद दिलाता है कि शुद्ध हवा, स्वच्छ पानी और पेड़-पौधे हमारे जीवन के आधार हैं। यदि प्रकृति सुरक्षित रहेगी तभी मानव सभ्यता का भविष्य भी सुरक्षित रहेगा।

उन्होंने बताया कि संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रतिवर्ष 5 जून को मनाए जाने वाले विश्व पर्यावरण दिवस का उद्देश्य लोगों को जलवायु परिवर्तन, बढ़ते प्रदूषण, वनों की कटाई और जैव विविधता के नुकसान जैसे गंभीर मुद्दों के प्रति जागरूक करना है। साथ ही सरकारों, सामाजिक संगठनों और आम नागरिकों को पर्यावरण संरक्षण के लिए ठोस कदम उठाने के लिए प्रेरित करना भी इसका प्रमुख लक्ष्य है।

पर्यावरण दिवस का उद्देश्य लोगों को जलवायु परिवर्तन, बढ़ते प्रदूषण, वनों की कटाई और जैव विविधता के नुकसान जैसे गंभीर मुद्दों के

पौधों का संरक्षण भी महत्वपूर्ण

कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि पौधे लगाना जितना जरूरी है, उससे कहीं अधिक महत्वपूर्ण उनका संरक्षण करना है। अक्सर पौधारोपण के बाद देखभाल के अभाव में पौधे नष्ट हो जाते हैं, लेकिन बलौदीकला स्कूल द्वारा पौधे को तार जाली से सुरक्षित कर यह संदेश दिया गया कि पर्यावरण बचाने की शुरुआत जिम्मेदारी से होती है।

विद्यार्थियों के लिए जीवंत लैब बने ईको क्लब और किचन गार्डन

वृक्ष प्रकृति की अमूल्य धरोहर : केवरा सेन

बेमेतरा। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय कंडरका में वृक्षारोपण एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए विद्यार्थियों और शिक्षकों ने पौधों की सुरक्षा का संकल्प लिया। कभी महज दो पेड़ों तक सीमित रहा यह विद्यालय आज 100 से अधिक कीमती वृक्षों, फलदार पौधों और बहुमूल्य औषधीय वनस्पतियों से सुसज्जित हरित परिसर के रूप में पहचान बना चुका है। राज्यपाल पुरस्कार से सम्मानित शिक्षिका केवरा सेन ने बताया कि वर्ष 2007 में जब उन्होंने विद्यालय में पदभार ग्रहण किया था, तब परिसर में केवल एक नीम और एक पीपल का पेड़ था। इसके बाद तत्कालीन प्रधानाध्यापक राजेन्द्र झा के अथक प्रयासों से विद्यालय परिसर में बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण किया गया। उनके पदोन्नत होने के बाद प्रधान पाठक प्रहलाद कुमार टिकरिहा और शिक्षिका केवरा सेन ने पौधों के संरक्षण और संवर्धन का कार्य निरंतर जारी रखा। आज विद्यालय परिसर घनी हरियाली, छायादार वृक्षों, फलदार पौधों और औषधीय उद्यान से आच्छादित है। यहां विकसित किचन गार्डन, बागवानी क्षेत्र और औषधीय पौधों का उद्यान विद्यार्थियों के लिए पर्यावरण शिक्षा का जीवंत उदाहरण बन चुके हैं। विद्यालय के रानी लक्ष्मीबाई ईको क्लब के सदस्य भी पौधों की देखभाल और संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

नए पौधे रोपित कर संरक्षण का संकल्प

केवरा सेन ने कहा कि वृक्ष केवल प्राणवायु, फल, फूल, औषधि और छाया ही नहीं देते, बल्कि जलवायु संतुलन बनाए रखने और पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि बढ़ती वृक्ष कटाई को देखते हुए प्रत्येक व्यक्ति को अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनका संरक्षण करने की जिम्मेदारी निभानी चाहिए। विद्यालय परिवार ने इस अवसर पर नए पौधे रोपित कर उनके संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम में ईको क्लब की प्रभारी केवरा सेन, सफाई कर्मचारी रमेश यादव, जिन्होंने भीषण गर्मी में पौधों को जीवित रखने में महत्वपूर्ण योगदान दिया, तथा आंगनबाड़ी कार्यकर्ता प्रेमलता बघेल सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। कंडरका स्कूल की यह हरित पहल साबित करती है कि यदि संकल्प मजबूत हो तो दो पेड़ों से शुरू हुआ अभियान भी एक दिन सैकड़ों वृक्षों वाले पर्यावरणीय मॉडल में बदल सकता है।

नीट पेपर लीक मामले में तय हो सरकार की जवाबदेही

दुर्ग। शहर कांग्रेस कमेटी महामंत्री राहुल शर्मा ने कहा की नीट पेपर लीक की घटनाएं केवल एक प्रशासनिक विफलता नहीं हैं, बल्कि देश के करोड़ों युवाओं के सपनों पर सीधा हमला हैं। आज मेहनत करने वाले छात्र-छात्राएं अपने भविष्य को लेकर चिंतित हैं, क्योंकि बार-बार परीक्षाओं की गोपनीयता भंग हो रही है। इसमें सरकार की जवाबदेही तय होनी चाहिए। हम सरकार से पूछना चाहते हैं कि आखिर कब तक युवा इस अव्यवस्था का शिकार होते रहेंगे? हर पेपर लीक के बाद केवल जांच की घोषणा कर देना पर्याप्त नहीं है। दोषियों की पहचान हो, उन पर सख्त कार्रवाई हो और ऐसी व्यवस्था बनाई जाए जिससे भविष्य में कोई भी परीक्षा प्रभावित न हो।

साजा के जीवांत पटेल को मिलेगी राष्ट्रीय सांस्कृतिक छात्रवृत्ति

हरिभूमि न्यूज ▶▶| साजा

शिक्षा के साथ संस्कृति को जोड़ने वाली देश की सर्वोच्च संस्था सांस्कृतिक स्त्रोत्र एवं प्रशिक्षण केंद्र नई दिल्ली द्वारा नगर पंचायत साजा के डायमंड पब्लिक स्कूल के आठवीं के छात्र जीवांत पटेल का चयन राष्ट्रीय सांस्कृतिक प्रतिभा खोज छात्रवृत्ति योजना 2025-26 के अंतर्गत की गई है। इसमें जीवांत पटेल द्वारा अपनी कला शिक्षिका हेमीन वर्मा व ललिता पटेल के निरंतर मार्गदर्शन में सीखी गई छत्तीसगढ़ में प्रचलित रंगीन कागजों की हस्तकला का प्रदर्शन विगत दिनों रविन्द्र भवन भोपाल मध्यप्रदेश की स्क्रीनिंग परीक्षा में किया गया था। जहां कला विशेषज्ञों ने जीवांत पटेल की सृजन क्षमता का आंकलन करते हुए 10 वर्षीय राष्ट्रीय छात्रवृत्ति योजना के लिए चयनित किया है।

राष्ट्रीय स्तर की इस उपलब्धि के लिए विद्यालय की प्रबंधक श्रीमती सरिता तिवारी, अध्यक्ष अजय शुक्ला, संरक्षक धर्म कुमार तिवारी, नगर पंचायत के युवा अध्यक्ष हिमांशु वर्मा, कला विशेषज्ञ व जनजाति शोधार्थी राम कुमार वर्मा, शिक्षक अतुल तिवारी, सरिता तिवारी, धनंजय राजपूत, गीता सोनी, सेवाराम निषाद, पद्मिनी सिन्हा सहित परिजन महेंद्र पटेल, आशा पटेल, ललिता पटेल, उमेश पटेल, दिलीप पटेल, नाना पोषण लाल पटेल, सरस्वती पटेल आदि ने हार्दिक प्रसन्नता व्यक्त की है।

करामल से सोंढ के बीच सड़क किनारे झुकी कंटीली तारें, हादसे की आशंका

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेमेतरा/बेरला

ब्लॉक मुख्यालय बेरला के समीप करामल से सोंढ तक जाने वाला मार्ग इन दिनों राहगीरों के लिए मुसीबत का कारण बन गया है। सड़क के दोनों ओर झुकी हुई जाली तारें और बिखरे कंटीले कांटे दुर्घटना की आशंका बढ़ा रहे हैं। यह मार्ग बेरला-कोदवा मुख्य सड़क का हिस्सा होने के कारण प्रतिदिन बड़ी संख्या में वाहन और ग्रामीण यहां से गुजरते हैं।

स्थानीय लोगों के अनुसार करीब दो किलोमीटर लंबे हिस्से में कई स्थानों पर जाली तार झुककर सड़क के किनारे तक पहुंच गई हैं, जबकि कंटीले तार और कांटे खुले में पड़े हुए हैं। रात के समय इन तारों का दिखाई नहीं देना दोपहिया वाहन चालकों के लिए सबसे बड़ी समस्या बन रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार बाइक सवार दुर्घटना का शिकार होते-होते बचे हैं।

ग्रामीण रविन्द्र भास्कर चौबे ने बताया कि सड़क पहले से ही संकरी है। ऐसे में सामने से बड़े वाहन आने पर बाइक और साइकिल सवारों को किनारे होना पड़ता है, जहां झुकी जालियां और कांटे खतरा पैदा कर रहे हैं। स्कूली बच्चों, बुजुर्गों और पैदल यात्रियों को भी काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

ग्रामीणों ने प्रशासन और लोक निर्माण विभाग से मांग की है कि सड़क किनारे फैले कंटीले तारों को तत्काल हटाया जाए तथा झुकी हुई जालियों को व्यवस्थित किया जाए। लोगों का कहना है कि समय रहते व्यवस्था नहीं सुधारी गई तो यहां किसी बड़े हादसे से इंकार नहीं किया जा सकता।

ग्रामीणों की मांग है कि जिम्मेदार विभाग मौके का निरीक्षण कर तत्काल सुरक्षा संबंधी आवश्यक कदम उठाए, ताकि राहगीरों को सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिल सके।

पीडब्ल्यूडी की निगरानी व्यवस्था और ठेकेदार की कार्यशैली पर उठे गंभीर सवाल

पुलिस कॉलोनी में 53 लाख की लागत से महीने भर पहले बनी सीसी रोड जगह-जगह से दरकी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेमेतरा

बरसों की मांग, लाखों रुपये का खर्च और राहत की बड़ी उम्मीद... लेकिन पुलिस आवासीय कॉलोनी को मिली नई सीसी सड़क की खुशी ज्यादा दिनों तक टिक नहीं सकी। नगर के पिकरी स्थित पुलिस आवासीय कॉलोनी को नेशनल हाईवे से जोड़ने के लिए लगभग 53.75 लाख रुपये की लागत से निर्मित 700 मीटर लंबी वन-वे सीसी सड़क निर्माण के महज एक माह के भीतर ही जगह-जगह से दरकने लगी है। सड़क पर उभरी लंबी-चौड़ी दरारों ने न केवल निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल खड़े कर दिए हैं, बल्कि लोक निर्माण विभाग की निगरानी व्यवस्था को भी कठघरे में ला खड़ा किया है।

यह वही सड़क है जिसकी मांग पुलिसकर्मी और उनके परिवार वर्षों से कर रहे थे। बारिश के दिनों में कीचड़ और जलभराव से परेशान पुलिस परिवारों की समस्या को प्रमुखता से उठाए जाने के बाद शासन ने सड़क निर्माण को मंजूरी दी थी। सड़क बनने के बाद लोगों को उम्मीद थी कि अब आवागमन की परेशानी दूर हो जाएगी, लेकिन सड़क की उम्र महीनेभर भी नहीं निकल पाई।

चमचमाती सड़क पर उभरीं गहरी दरारें: नई बनी सीसी सड़क पर कई स्थानों पर गहरी और लंबी दरारें दिखाई देने लगी हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता मानकों की अनदेखी की गई। विशेषज्ञों के अनुसार सीसी सड़क में इतनी जल्दी दरारें आना सीमेंट-कंक्रीट के अनुपात, बेस तैयारी या क्योरिंग प्रक्रिया में गंभीर खामी की ओर संकेत करता है। पुलिस कॉलोनी के रहवासियों का कहना है कि सड़क देखकर ऐसा प्रतीत होता है जैसे वर्षों पुरानी सड़क हो, जबकि निर्माण कार्य को अभी कुछ ही समय हुआ है। इससे लोगों में नाराजगी और निराशा दोनों बढ़ी है।

रक्षक के घर की सड़क ही नहीं बची, तो जनता की सड़क का क्या होगा ?: शहर में चर्चा का विषय यह भी बना हुआ है कि जिस सड़क का उपयोग पुलिसकर्मी और उनके परिवार करते हैं, उसी निर्माण कार्य में यदि इतनी बड़ी लापरवाही हो सकती है तो अन्य सार्वजनिक निर्माण कार्यों की स्थिति का सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है। लोगों का कहना है कि यदि समय पर गुणवत्ता की जांच और निगरानी होती तो करोड़ों नहीं तो लाखों रुपये की यह परियोजना इतनी जल्दी बदनामी का कारण नहीं बनती।

जांच की मांग, दोषियों पर कार्रवाई की अपेक्षा

सड़क की वर्तमान स्थिति को देखते हुए नागरिकों ने निर्माण कार्य की तकनीकी जांच कराने और दोषी अधिकारियों व ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। लोगों का कहना है कि सरकारी राशि से होने वाले विकास कार्यों में जवाबदेही तय होना जरूरी है, अन्यथा गुणवत्ताहीन निर्माण का सिलसिला जारी रहेगा। अब देखना यह होगा कि लोक निर्माण विभाग इस मामले को गंभीरता से लेकर सड़क की गुणवत्ता की जांच कराता है या फिर यह मामला भी दरारों की तरह समय के साथ दबकर रह जाएगा। फिलहाल पुलिस कॉलोनी की यह सड़क विकास कार्यों की गुणवत्ता पर बड़ा सवाल बनकर खड़ी है।